Raj Express (Indore), 03rd June 2026, Page – 05

जेईई एडवांस

हर विद्यार्थी मनपंसद आईआईटी और ब्रांच लेने की उम्मीद में

4 हजार तक रैंक पाने वालों को मिल सकती है इंदौर में सीएस ब्रांच

इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

जेईई एडवांस का रिजल्ट जारी हो गया है। अब हर विद्यार्थी मनपसंद आईआईटी और ब्रांच लेने की उम्मीद में हैं। किस रैंक पर किस आईआईटी में कौन सी ब्रांच मिल सकती है, इसे लेकर एक्सपर्ट ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा की है। 1000 से 4000 के बीच रैंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को आईआईटी इंदौर सहित गांधीनगर, रूपड़, मंडी, जोधपुर, धनबाद, पटना, भुवनेश्वर में कम्प्यूटर साइंस (सीएस) ब्रांच मिलने की संभावना है।

कोर के अलावा अन्य में संभावनाः 8000 से 12000 के बीच रैंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को इंदौर, रोपड़, मंडी, गांधीनगर, जोधपुर, भुवनेश्वर, पटना, धनबाद में कोर ब्रांच के अलावा अन्य ब्रांचों के साथ-साथ पुराने सात आईआईटी में बायोलॉजिकल साइंस, नेवल आर्किटेक्चर, माइनिंग इंजीनियरिंग, पॉलीमर साइंस, सिरेमिक इंजीनियरिंग जैसी ब्रांचें मिलने की संभावना रहती है। उपरोक्त रैंक पर आईआईटी की ब्रांच मिलने की संभावनाएं कैटेगरी अनुसार परिवर्तित होती है। साथ ही छात्राओं को दिए गए 20 प्रतिशत फीमेल पूल कोटे से उपरोक्त आईआईटी में ब्रांच मिलने की संभावनाएं काफी पीछे की रैंक तक बन जाती है।

138 संस्थानों की 900 से अधिक प्रोग्राम की च्वॉइस फिलिंग का अवसरः एक्सपर्ट के अनुसार विद्यार्थियों को जोसा काउंसलिंग में करीब 138 संस्थानों की 900 से अधिक प्रोग्राम की च्वॉइस फिलिंग का अवसर एक बार ही दिया गया है। ऐसे में विद्यार्थी ज्यादा से ज्यादा कॉलेजों के विकल्प को अपनी प्राथमिकता के घटते क्रम में भरें। विद्यार्थी गत वर्षों की कॉलेजों की ओपनिंग व क्लोलिंग रैंकों को देखते हुए कॉलेजों को चुनने के ट्रेंड का अनुमान लगा सकते हैं। विद्यार्थी अपनी रैंक के अनुसार गत वर्षों की क्लोजिंग रैंक से नीचे की रैंक वाले कॉलेज ब्रांचों को भी अपनी रुचि अनुसार कॉलेज प्राथमिकता सूची के क्रम में शामिल करें।

जानिए...इन दस्तावेजों की आवश्यकता

जोसा काउंसलिंग में सीट आवंटन के बाद विद्यार्थियों को ऑनलाइन रिपोर्टिंग में 10वीं, 12वीं की मार्कशीट, कैटेगरी सर्टिफिकेट, कैंसल चैक की फोटोकॉपी, मेडिकल सर्टिफिकेट स्कैन कर अपलोड करने हैं। ईडब्ल्यूएस व ओबीसी के विद्यार्थियों को 1 अप्रैल 2026 के बाद का कैटेगरी सर्टिफिकेट देना है, नहीं तो उनकी कैटेगरी निरस्त कर ओपन रैंक से सीट आवंटित की जाएगी।

ओपन रैंक पर मिलेगी सीट

एक्सपर्ट के अनुसार जोसा काउंसलिंग के दिए गए नियमों के अनुसार सभी विद्यार्थियों को उनकी रैंक के अनुसार भरी हुई कॉलेज सीट आवंटन में ओपन रैंक पर ही किया जाएगा। ओपन रैंक पर सीट नहीं मिलने पर कैटेगरी वाले विद्यार्थियों को उनकी कैटेगरी रैंक के अनुसार कॉलेज सीट आवंटित की जाएगी। इस प्रकार कैटेगरी वाले विद्यार्थियों को ओपन व कैटेगरी, दोनों में से सीट रैंक अनुसार मिल सकती है।